Baba’s Praise

03/02/2015

- कहते भी हैं-हे **पतित- पावन** आकर हमको पावन बनाओ क्योंकि समझते हैं हम पतित बुद्धि हैं ।

- तुम बच्चों को अभी **बाप** मिला है, भक्तों को **भगवान्** मिला है, कहते भी हैं भक्ति के बाद भगवान् आकर **भक्ति का फल देते** हैं क्योंकि मेहनत करते हैं तो फल भी मांगते हैं ।

- तुम बच्चों को **सारे सृष्टि चक्र का नॉलेज बाप देते** हैं ।बाप **नॉलेजफुल** है तो बच्चों को भी नॉलेज देते हैं ।

- इस चक्र का किसको पता नहीं है । इसका **क्रियेटर, डायरेक्टर**, मुख्य एक्टर कौन हैं-कुछ भी नहीं जानते ।

- तुम **एक माशूक** के आशिक हो ना । एक माशूक को सब आशिक याद करते हैं ।

- भगवान् कहते भी **शिव** को हैं । भगवान् तो एक ही होता है । सब **भक्तों को फल देने वाला** एक भगवान् ।

- आत्मा कहती है ओ **गॉड फादर** । वो लौकिक फादर तो यहाँ हैं फिर भी उस बाप को याद करते हैं, तो आत्मा के दो फादर हो जाते हैं ।

- बाप कहते हैं तरस पड़ा है तब तो फिर से आया हूँ, **तुमको गुणवान बनाने** ।

- तुम जानते हो अभी इस पुरानी दुनिया का विनाश सामने खड़ा है । **बाप राजयोग सिखला रहे हैं** ।

- **बाप ब्रह्मा द्वारा एक धर्म की स्थापना, शंकर द्वारा आसुरी दुनिया का विनाश कराते हैं ।**

- बाप आकर **वेदो-शास्त्रों का सार** समझाते हैं । मुख्य धर्म भी 4 हैं ।

- बाप कहते हैं हमको जरूर **पुरानी दुनिया का विनाश कराना** होगा । पावन दुनिया है ही सतयुग, सबको **मुक्तिधाम ले जाता हूँ** । सब काल को तो बुलाते हैं ना । यह नहीं समझते कि हम तो **कालों के काल** को बुलाते हैं ।

- बाप तो **भारत में आकर सबको ज्ञान देते** हैं । वही **सबका पतित-पावन** है, सबको **लिबरेट करते** हैं । और धर्म स्थापक कोई सद्गति करने नहीं आते, वह आते हैं धर्म स्थापन करने । वह कोई शान्तिधाम-सुखधाम में नहीं ले जाते, **सबको शान्तिधाम, सुखधाम में बाप ही ले जाते** हैं ।जो **दु:ख से छुड़ाए सुख देते** हैं, उनके ही तीर्थ होते हैं । मनुष्य समझते नहीं, वास्तव में **सच्चा तीर्थ तो एक बाबा का** ही है । भारत ही सच्चा तीर्थ है, जहाँ बाप आकर सबको मुक्ति-जीवनमुक्ति देते हैं ।

- **अल्लाह** को याद करो तो बे बादशाही मिल जायेगी